अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, भोपाल
ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, BHOPAL
Saket Nagar, Bhopal (M.P.) – 462020

(जन सम्पर्क प्रकोष्ठ)

प्रेस विज्ञप्ति
(दिनांकः 16 जनवरी 2021)

1. एम्स, भोपाल में स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के लिए कोविड टीकाकरण अभियान का आरंभः

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 16 जनवरी 2021 को सवेरे राष्ट्र के नाम अपने संबोधन के साथ बहु प्रतिक्षित कोविड टीकाकरण अभियान का उद्घाटन किया गया। एम्स, भोपाल इस राष्ट्रव्यापी उद्घाटन कार्यक्रम में सम्मिलित हुआ। संस्थान के निदेशक माननीय प्रो. सरमन सिंह के नेतृत्व में एम्स, भोपाल द्वारा नामित संकाय सदस्य एवं कर्मचारियों ने इस उद्घाटन प्रसारण में सम्मिलित अन्य केंद्रों के साथ भाग लिया। इस कार्यक्रम में संस्थान के डीन (शैक्षणिक), प्रो. राजेश मलिक, उपनिदेशक (प्रशासन), श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह एवं चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. मनीषा श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। उद्घाटन के दौरान स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों के चेहरे पर उत्साह एवं उमंग देखते ही बन रहा था क्योंकि वे लंबे समय इस टीकाकरण अभियान के आरंभ के लिए प्रतीक्षारत थे। निदेशक महोदय द्वारा कोविड महामारी के खिलाफ लड़ाई के इस ऐतिहासिक अवसर पर संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए टीके से संबंधित उनके भय एवं चिंताओं को कम किया गया। उन्होंनें स्वास्थ्य देखभाल कर्मियों द्वारा पिछले महिनों में निस्वार्थ एवं समर्पण भाव से किए गए अथक परिश्रम एवं सेवाओं की पुनः सराहना की।

एम्स, भोपाल की टीकाकरण सेवाओं के अंतर्गत आज कुल 100 स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का टीकाकरण किया जाना निर्धारित गया। डॉ. शशांक पुरवार (अपर प्राध्यापक, माइक्रोबॉयोलॉजी) एवं प्रो. शिखा मलिक (विभागाध्यक्ष, पीडियाट्रिक्स) केंद्र में वैक्सिन प्राप्त करने वाले प्रथम दो थे।

प्रो. सरमन सिंह, निदेशक एम्स, भोपाल के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में कोविड टीकाकरण की योजना एवं तैयारियां की गई। डॉ. अंकुर जोशी, संकाय सदस्य, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, एक नोडल अधिकारी के रूप में कार्य कर रहे हैं तथा वे शासन द्वारा जारी आदेशों की कड़ाई से पालना सुनिश्चित कर रहे हैं। इस अभियान की सफलता के लिए कई टीमों का गठन किया गया है जो कि इस अभियान की सफलता के लिए हर संभव प्रयास कर रही हैं। संस्थान के फार्माकॉलॉजी विभाग द्वारा इस कार्यक्रम के

दौरान अपने प्रतिकूल औषध निगरानी (ADR) केंद्र से इस दवा के प्रतिकूल प्रभावों की निगरानी साथ–साथ की जा रही है।

एक निर्दिष्ट संकाय सदस्य के नेतृत्व में छह सदस्यों की एक वैक्सीनेसन टीम का गठन किया गया है। इन टीमों को भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गये ऑनलाइन मॉड्यूल के तहत आवश्यक प्रशिक्षण दिया गया है। सरकार से वैक्सीनेसन प्राप्त होने से लेकर पूरी प्रक्रिया के दौरान कोल्ड चैन को बनाएं रखने के लिए सम्पूर्ण कार्य प्रणाली एवं वैक्सीनेशन के परिवहन की प्रक्रिया निर्धारित की गई थी और तद्नुसार प्रबंध किये गये हैं। इम्यूनाइजेशन से किसी भी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव पड़ने पर उपचार देने के लिए अनुभवी चिकित्सकों की टीमों का गठन किया गया है।

एम्स के समस्त अधिकारियों/कर्मचारियों को सम्मिलित करते हुए यह अभियान अगले 10 सप्ताह तक एक सप्ताह में चार दिन चलाया जायेगा। जिसमें प्रतिदिन 100 लाभार्थियों को सम्मिलित किया जायेगा। भारत सरकार के निर्देशों के अनुसार प्रत्येक स्टाफ सदस्य इम्यूनाइज़्ड होने का निर्णय लेने के लिए स्वतंत्र हैं।

(डॉ.लक्ष्मी प्रसाद)
अपर चिकित्सा अधीक्षक एवं
जन सम्पर्क अधिकारी
दूरभाषः 0755–2832095